



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
 भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
 प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 219]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 24, 2019/श्रावण 2, 1941

No. 219]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 24, 2019/SHRAVANA 2, 1941

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
 (वाणिज्य विभाग)
 (विदेश व्यापार महानिदेशालय)
 सार्वजनिक सूचना
 नई दिल्ली, 24 जुलाई, 2019
 सं. 20/2015–2020

विषय: स्कोमेट मदों/साफ्टवेयर/प्रौद्योगिकी के अंतः कम्पनी अंतरण हेतु वैश्विक प्राधिकार पत्र (जीएआईसीटी) की प्रक्रिया निर्धारित करने के लिए विदेश व्यापार नीति (एफटीपी), 2015–20 की प्रक्रिया पुस्तक में पैरा 2.79 च को शामिल करना।

फा. सं. 01/91/180/18/एएम–17/ईसी.—विदेश व्यापार नीति (एफटीपी), 2015–20 के पैरा 1.03 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार (डीजीएफटी) एतद्वारा पैरा 2.79 में नई प्रविष्टि शामिल करने हेतु विदेश व्यापार नीति 2015–20 की प्रक्रिया पुस्तक (एचबीपी) में तत्काल प्रभाव से संशोधन करते हैं।

2. विदेश व्यापार नीति, 2015–20 की प्रक्रिया पुस्तक के उप-पैरा 2.79 ड़ के बाद नई प्रविष्टि निम्नानुसार समाविष्ट की जाएगी:

“पैरा 2.79च – स्कोमेट¹ मदों/साफ्टवेयर/प्रौद्योगिकी के अंतः कम्पनी अंतरण हेतु वैश्विक प्राधिकार पत्र क. क्षेत्र और पात्रता: निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयातित स्कोमेट मदों, साफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी [स्कोमेट श्रेणी 0, 1ख, 1ग², 3क401, 5 और 6 के अंतर्गत मदों को छोड़कर] के पुनः निर्यात के लिए निर्यात–पूर्व प्राधिकार पत्र की आवश्यकता नहीं होगी:

i. जहां पुनः निर्यात भारत से आयातित स्कोमेट मदों (उपर्युक्त पैरा 2.क के अंतर्गत शामिल) के पुनः निर्यात के लिए भारत की सहायक कम्पनी (आवेदक निर्यातक) से इसकी विदेशी मूल कम्पनी और/अथवा विदेशी मूल कम्पनी की सहायक कम्पनियों को अंतः कम्पनी अंतरण है और

- परिशिष्ट–3 निर्यात नीति की अनुसूची–2 में स्कोमेट में सूचीबद्ध विशेष रसायन, जीवाश्म सामग्री, उपकरण और प्रौद्योगिकी
- उन राज्यों को पुनः निर्यात के लिए जो रासायनिक हथियार कन्वेंशन (सीडब्ल्यूसी) के पक्षकार नहीं हैं।

ii. जहां अंतरण निम्नलिखित (क) से (छ) पर उल्लिखित शर्तों पर पूरा करता है:

(क) भारतीय सहायक कम्पनी द्वारा पुनः निर्यात की जाने वाली मदों/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी का विदेश की मूल कम्पनी या विदेश की मूल कम्पनी की सहायक कम्पनियों से देश में उपलब्ध लाइसेंस छूट के तहत आयात किया गया है;

टिप्पणी: लाइसेंस छूट में स्कोमेट मद संख्या के समतुल्य नियंत्रण सूची का वर्गीकरण स्पष्ट होना चाहिए और चाहे लाइसेंस छूट विदेशी मूल कम्पनी की सहायक कम्पनियों के लिए उपलब्ध हो या न हो;

(ख) पुनः निर्यात की जाने वाली मद/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी डिजाइन/एनक्रिप्शन/अनुसंधान/विकास/सुपुदर्गी/मान्यकरण/जांच सहित कतिपय सेवाएं करने के लिए मूल कम्पनी और भारतीय सहायक कम्पनी के बीच मास्टर सेवा समझौता/संविदा पर आधारित है;

टिप्पणी: भारतीय निर्यातक द्वारा दी गई सेवा के परिणामस्वरूप मदों/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी में कार्यात्मकता और वर्गीकरण में परिवर्तन नहीं किया जाना चाहिए।

(ग) इन मदों/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी का विदेशी मूल कम्पनी और/अथवा विदेशी मूल कम्पनी की सहायक कम्पनी को पुनः निर्यात किया जाएगा;

(घ) आवेदक निर्यातक यह घोषणा करता है कि पुनः निर्यातित मदों का उन प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाएगा जिनके लिए इसे मूल कम्पनी और/या इसकी सहायक कम्पनियों द्वारा निर्यात किया गया है;

(ङ.) निर्यातक प्रमाणित/अनुमोदित आन्तरिक अनुपालन कार्यक्रम (आईसीपी) प्रस्तुत करता है या मूल कम्पनी के आईसीपी का अनुपालन दर्शाता है;

(च) निर्यातक विदेश व्यापार महानिदेशालय या भारत सरकार के प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा आवश्यकता के अनुसार साइट पर निरीक्षण की अनुमति देता है;

(छ) निम्नलिखित पैरा 2.ख में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार निर्यातक को अंतः कम्पनी अंतरण के लिए वैशिक प्राधिकार पत्र (जीएआईसीटी) दिया जाता है।

ख. अंतः कम्पनी अंतरण के लिए वैशिक प्राधिकार पत्र (जीएआईसीटी) देने की प्रक्रिया

आवेदन प्रस्तुत करना और मूल्यांकन करना

क. लाइसेंस छूट जो मूल कम्पनी के देश के निर्यात नियंत्रण लाइसेन्सिंग प्राधिकारी द्वारा प्रदान की जाती है, के तहत स्कोमेट मदों/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी के पुनः निर्यात के मामले में भारतीय निर्यातक आनलाइन स्कोमेट पोर्टल के माध्यम से जीएआईसीटी के लिए आवेदन प्रस्तुत करेगा; और एनएफ 2ण (ख) में सूचना संलग्न करेगा;

ख. भारतीय निर्यातक द्वारा निर्धारित प्रपत्र में आवेदन और अन्य सहायक दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने के आधार पर अंतर-मंत्रालयी कार्यदल (आईएमडब्ल्यूजी) द्वारा जीएआईसीटी जारी करने के लिए आवेदन का मूल्यांकन किया जाएगा:

- i. विदेशी मूल कम्पनी और/या भारतीय सहायक कम्पनी (आवेदक निर्यातक) सहित विदेश में इसकी सहायक कम्पनियों के बीच कारपोरेट संबंध का दस्तावेजी प्रमाण;
- ii. विदेशी मूल कम्पनी और भारतीय सहायक कम्पनी के बीच मास्टर सेवा समझौता (एमएसए) / संविदा तथा अन्य संबंधित दस्तावेजों (यदि कोई हो), जो भी उपयुक्त हो, की प्रतिलिपि;
- iii. स्कोमेट (स्कोमेट श्रेणी और उप-श्रेणी दर्शाते हुए) में मद/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी का वर्गीकरण;
- iv. मॉडल, पार्ट सं. आदि जैसे संगत तकनीकी ब्यौरे के साथ पुनः निर्यात के लिए नियत मद का विस्तृत विवरण और साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी के मामले में एन्क्रिप्शन एलगोरिदम, की लेंथ, एन्क्रिप्शन कार्यात्मकता, क्रिप्टोग्राफी टिप्पणी के तहत पात्रता आदि का विवरण प्रदान करना होगा;
- v. विदेशी मूल कंपनी और विविध देशों में मूल कंपनी की सहायक कंपनियों के देश जहां यह वैध है, के निर्यात नियंत्रण लाइसेन्सिंग प्राधिकारी द्वारा प्रदान किए गए लाइसेंस छूट का दस्तावेजी प्रमाण;
- vi. निर्यातक की प्रमाणित/अनुमोदित आईसीपी अथवा मूल कंपनी की आईसीपी की स्व-प्रमाणित प्रतिलिपि जो भारतीय सहायक कंपनी/निर्यातक द्वारा अपनायी जा रही है और उसके साथ उन पर वचनबिद्धता;
- vii. डीजीएफटी द्वारा मांगा गया अतिरिक्त ब्यौरा, यदि कोई हो।

ग. जीएआईसीटी के तहत मदों/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी के पुनर्नियात हेतु पश्च-रिपोर्टिंग

क. भारतीय निर्यातक को जीएआईसीटी के तहत स्कोमेट मदों/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी के निर्यात का प्रत्येक अंतरण/खेप का विवरण पिछली तिमाही में किए गए निर्यात के संबंध में प्रत्येक तिमाही के समाप्त होने के बाद के

महीने में त्रैमासिक आधार (मार्च/जून/सितम्बर/दिसम्बर) पर ई—मेल (scomet-dgft-pr@nic.in) द्वारा स्कोमेट प्रभाग, डीजीएफटी (मुख्यालय) नई दिल्ली को प्रस्तुत करना होगा।

ख. पश्च—पोतलदान का विवरण, विदेश स्थित मूल कंपनी से परिशिष्ट 2ध (iv) में ईयूसी की प्रतिलिपि के साथ एएनएफ 2 ण(ग) प्रपत्र में प्रस्तुत करना होगा;

ग. ऐसा करने में विफल होने पर जुर्माना लगाया जा सकता है और/अथवा जीएआईसीटी का निलंबन/निरस्तीकरण किया जा सकता है।

टिप्पणी: एएनएफ (आयात निर्यात प्रपत्र)–एएनएफ 2ण (ख), एएनएफ 2ण (ग) और वास्तविक प्रयोक्ता प्रमाणपत्र प्रपत्र परिशिष्ट 2ध (iv) को अलग से अधिसूचित किया जाएगा।

घ. रिकॉर्ड कीपिंग

निर्यातक को डीजीएफटी द्वारा जीएआईसीटी जारी करने की तिथि से 5 वर्ष की अवधि के लिए प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 2.73(ग) के अनुसार मैनुअल या इलेक्ट्रॉनिक रूप से सभी निर्यात दस्तावेजों के रिकॉर्ड को रखने की आवश्यकता होगी।

ड. सामान्य शर्तें

क. रासायनिक, जैविक, परमाणु हथियारों अथवा जनविनाशकारी अस्त्रों को पहुंचाने वाली मिसाइलों और उनकी डिलीवरी प्रणाली के निर्माण, विकास, प्राप्ति, विनिर्माण, अधिकार, परिवहन, अंतरण और/या प्रयोग के लिए प्रयुक्त की जाने वाली मद/साप्टवेयर/और/या प्रौद्योगिकी के मामले में जीएआईसीटी जारी नहीं किया जाएगा;

ख. यूएनएससी प्रतिबंधित या प्रतिबंधित सूची के तहत शामिल देशों अथवा इकाइयों या राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के महत्व के आधार पर जोखिम प्रसार चिंता के लिए गए देशों या इकाइयों हेतु जीएआईसीटी जारी नहीं किया जाएगा।

ग. बिना कोई कारण (कारणों) बताए जीएआईसीटी को जारी नहीं करने का अधिकार आईएमडब्ल्यूजी के पास सुरक्षित रहेगा।

च. **विदेशी मूल कंपनी या इसकी सहायक कंपनी से अन्य देशों में अंतिम प्रयोक्ता को मद/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी का पश्चातवर्ती पुनः निर्यात/पुनः—अंतरण**

विदेशी मूल कंपनी या इसकी सहायक कंपनी से अन्य देशों में अंतिम प्रयोक्ता को आगे मद/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी का पुनः निर्यात/पुनः अंतरण विदेशी मूल कंपनी या इसकी सहायक कंपनी के निर्यात नियंत्रण विनियमों के अध्यधीन होगा।

छ. वैधता

क) स्कोमेट मदों/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी का अतः कम्पनी अंतरणों के लिए जारी जीएआईसीटी, डीजीएफटी द्वारा जीएआईसीटी जारी करने की तिथि से तीन वर्ष के लिए मान्य होगा और वह आगे निम्नलिखित वैधता समय सीमा के अध्ययीन होगा, जो भी पहले हो:

i. उस उत्पाद (मद/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी) के लिए विदेशी मूल कंपनी के लाइसेन्स छूट की वैधता तक या

ii. विदेशी मूल कंपनी की विदेश में सहायक मूल कंपनी के लाइसेन्स छूट की वैधता तक या

iii. विदेशी मूल कंपनी और भारतीय सहायक कंपनी के साथ मास्टर सेवा करार (एमएसए) / संविदा की वैधता तक

ख) एफटीपी 2015–20 की प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 2.80 के अनुसार जीएआईसीटी को पुनः मान्य नहीं किया जा सकता है।

ज. स्थगन/निरसन

प्रसार सम्बन्धी चिन्ता, या अनिवार्य रिपोर्टों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत न करने या इस सार्वजनिक सूचना की शर्तों का अनुपालन न होने के बारे में प्रतिकूल रिपोर्ट प्राप्त होने पर जारी जीएआईसीटी को डीजीएफटी द्वारा स्थगित/निरसित कर दिया जाएगा।

3. इस सार्वजनिक सूचना का प्रभाव:

विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2015–20 की प्रक्रिया पुस्तक में पैराग्राफ 2.79च को स्कोमेट मदों/साप्टवेयर/प्रौद्योगिकी के अंतः कम्पनी अंतरण के लिए वैशिक प्राधिकार पत्र (जीएआईसीटी) को जारी करने की प्रक्रिया निर्दिष्ट करने के लिए शामिल किया गया है।

आलोक वर्धन चतुर्वेदी, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 24th July, 2019

No. 20/2015-20

Subject: Inclusion of Paragraph 2.79F in the Handbook of Procedures of the Foreign Trade Policy (FTP) 2015-20 to lay down the procedure for Global Authorisation for Intra-Company Transfer (GAICT) of SCOMET items/software/technology

F. No. 01/91/180/18/AM-17/EC.—In exercise of the powers conferred under Paragraph 1.03 of the Foreign Trade Policy (FTP) 2015-20, the Directorate General of Foreign Trade (DGFT) hereby makes amendments to Handbook of Procedures (HBP) of FTP 2015-20 for inclusion of a new entry at Paragraph 2.79 with immediate effect.

2. After sub-Para 2.79E of the HBP of FTP 2015-20, a new entry shall be inserted as under:

“Para 2.79F—Global Authorisation for Intra-Company Transfers (GAICT) of SCOMET¹ Items/Software/Technology

A. Scope and Eligibility: Pre-export authorization will not be required for re-export of imported SCOMET items, software and technology [excluding items under SCOMET Categories 0, 1B, 1C², 3A401, 5 and 6] under following conditions:

i. where the re-export is an Intra-company transfer from an Indian subsidiary (applicant exporter) to its foreign parent company and/or to subsidiaries of the foreign parent company for re-export of imported SCOMET items (covered under para 2.A above) from India and;

ii. where the transfer fulfils the conditions mentioned at (a) to (g) below:

a) The items/software/technology to be re-exported, by Indian subsidiary, have been imported under a License Exception available in the country of the parent company abroad or from subsidiaries of the parent company abroad;

Note: The license exception should clarify the control list classification, equivalent to the SCOMET item number and whether the licence exception is available for the subsidiaries of the parent company abroad;

b) The items/software/technology to be re-exported is based on a Master Service Agreement / Contract between the parent company and the Indian subsidiary for carrying out certain services including design/encryption/research/ development/delivery/validation/testing;

Note: As a result of the service carried out by the Indian exporter, the items/software/technology should not undergo change in functionality and classification.

c) These items/software/technology is/are to be re-exported to the foreign parent company and / or subsidiaries of foreign parent company;

d) The applicant exporter declares that the re-exported items would be used for the purposes for which it is intended by the parent company and/ or its subsidiaries;

e) The exporter furnishes either a certified/approved Internal Compliance Programme (ICP) or demonstrates compliance to the ICP of the parent company;

f) The exporter agrees to allow on-site inspection, if required by the DGFT or authorised representatives of Government of India;

g) The exporter is granted a Global Authorisation for Intra-Company Transfers (GAICT) as per procedure mentioned in para 2.B below.

¹ Special Chemicals Organisms Materials, Equipment and Technologies listed in Appendix 3 – SCOMET to Schedule 2 Export Policy

² for re-export to States not party to Chemical Weapons Convention (CWC)

B. Procedure for grant of Global Authorization for Intra-Company Transfers (GAICT)

Filing and Assessment of Application

- a. In respect of re-export of SCOMET items/software/technology against Licence Exception which has been granted by the export control licensing authority of the country of parent company, the Indian exporter shall submit application for GAICT through online SCOMET portal and attach information in proforma - ANF 2O(b);
- b. The application would be assessed for the issue of GAICT by Inter-Ministerial Working Group (IMWG) based on the submission of the application and other supporting documents by the Indian exporter in the prescribed proforma:
 - i. Documentary proof of the corporate relationship between the foreign parent company and /or its subsidiaries abroad with the Indian subsidiary (applicant exporter);
 - ii. Copy of Master Service Agreement (MSA) / Contract and other related documents (if any), as may be relevant, between the foreign parent company and the Indian subsidiary;
 - iii. Classification of item/software/technology in SCOMET (indicating SCOMET category and sub-category);
 - iv. Detailed description of the item intended to be re-exported with relevant technical details, such as model, part number, etc. and in case of software/technology, details of encryption algorithm, key length, encryption functionality, eligibility under cryptography note etc. to be provided;
 - v. Documentary proof of licence exception granted by the export control licensing authority of country of the foreign parent company and the subsidiaries of the parent company in different countries where it is valid;
 - vi. Certified/approved ICP of the exporter or self-certified copy of the ICP of the parent company being adopted by Indian subsidiary/exporter along with an undertaking thereon;
 - vii. Additional details, if any sought by DGFT.

C. Post reporting for re-export of items/software/technology under GAICT

- a. The Indian exporter shall submit post-shipment details of each transfer/consignment of exports of SCOMET items/software/technology under GAICT to the SCOMET Division of DGFT (Hqrs), New Delhi, via E-mail (scomet-dgft-pr@nic.in) on quarterly basis (March / June / September / December), by the end of subsequent month of each quarter, in respect of the exports made in the previous quarter;
- b. The post-shipment details shall be submitted in proforma ANF 2O(c) alongwith a copy of EUC in Appendix 2S (iv), from the parent company abroad;
- c. Failure to do so may entail imposition of penalty and / or suspension/revocation of GAICT.

Note: ANF (Aryat Niryat Form) – ANF 2O(b), ANF 2O(c) and End Use Certificate proforma Appendix 2S (iv) would be notified separately.

D. Record Keeping

The exporter will be required to keep records of all the export documents, in manual or electronic form, in terms of Para 2.73 (c) of HBP, for a period of 5 years from the date of GAICT issued by DGFT.

E. General conditions

- a. GAICT would not be issued in case of item/software and / or technology to be used to design, develop, acquire, manufacture, possess, transport, transfer and / or used for chemical, biological, nuclear weapons or for missiles capable of delivering weapons of mass destruction and their delivery system;
- b. GAICT would not be issued for countries or entities covered under UNSC embargo or sanctions list or to the countries or entities assessed for risk of proliferation concern, based on national security and foreign policy considerations;
- c. IMWG shall reserve the right to deny issue of GAICT without assigning any reason(s).

F. Subsequent re-exports / re-transfer of the item/software/technology from the foreign parent company or its subsidiary to end users in other countries

Further re-export / re-transfer of the item/software/technology from the foreign parent company or its subsidiary to end users in other countries would be subject to the export control regulations of the country of the foreign parent company or its subsidiary.

G. Validity

- a) GAICT issued for intra-company transfers of SCOMET items/software/technology shall be valid for a period of **three years** from the date of issue of GAICT by DGFT and shall be further subject to the following validity time line, whichever is earlier:
 - i. Till the validity of license exception of foreign parent company for that product (Items/Software/Technology); or
 - ii. Till the validity of license exception of foreign parent company for subsidiaries of the parent company abroad; or
 - iii. Till the validity of Master Service Agreement (MSA) / Contract with the foreign parent company and the Indian subsidiary.
- b) GAICT cannot be revalidated in terms of Paragraph 2.80 of HBP of FTP 2015-20.

H. Suspension / Revocation

GAICT issued shall be liable to be suspended / revoked by the DGFT on receipt of an adverse report on proliferation concern or for non-submission of mandatory reports within the prescribed time lines or for non-compliance with the conditions of this Public Notice.

3. Effect of this Public Notice:

Paragraph 2.79F has been inserted in the Handbook of Procedures (HBP) of the Foreign Trade Policy (FTP) 2015-20 to lay down the procedure for issue of Global Authorisation for Intra-Company Transfer (GAICT) of SCOMET Items/Software/Technology.

ALOK VARDHAN CHATURVEDI, Director General of Foreign Trade
& Ex-officio Addl. Secy.